खेलो भारत नीति 2025 : भारत को खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम

प्रस्तावना (Introduction)

- भारत में खेलों की परंपरा सदियों पुरानी है, लेकिन आधुनिक काल में इन्हें केवल मनोरंजन या पाठ्येतर गतिविधि तक सीमित रखा गया। तीन दशक पहले तक, बच्चों के लिए खेलकूद विद्यालयी जीवन का एक आरामदायक हिस्सा था, न कि कोई करियर विकल्प। परंतु अब यह स्थिति तेजी से बदल रही है।

- खेलो भारत नीति 2025 इसी बदलाव का परिणाम है — एक ऐसी नीति जो न केवल खेल संस्कृति का पुनर्निर्माण करती है, बल्कि राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समावेश और आर्थिक प्रगति के एक प्रमुख साधन के रूप में खेलों की भूमिका को स्थापित करती है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- स्वतंत्र भारत के आरंभिक दशकों में खेलों के प्रति सरकारी दृष्टिकोण उदासीन रहा।
- शिक्षा को प्राथमिकता दी गई, जबकि खेलों को करियर के रूप में नहीं अपनाया गया।
- सीमित अवसंरचना, प्रशिक्षकों की कमी, और सामाजिक समर्थन के अभाव ने खेलों को हाशिए पर रखा।
- परिवर्तन की शुरुआत खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों से हुई, जिसने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को खोजने, प्रशिक्षित करने और उन्हें मंच प्रदान करने की दिशा में कदम बढ़ाए।

खेलो भारत नीति 2025 का दर्शन और उद्देश्य

- नीति का प्रमुख उद्देश्य है — खेलों को राष्ट्रीय निर्माण, स्वास्थ्य, रोजगार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का अभिन्न अंग बनाना।

नीति के मुख्य उद्देश्य:

- 1. खेलों का शिक्षा से एकीकरण – खेल अब एक वैकल्पिक गतिविधि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत एक अनिवार्य घटक है।
- 2. प्रतिभाओं की पहचान और समर्थन – प्रारंभिक स्तर पर ही प्रतिभा खोज कर विशेष प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति और संसाधन प्रदान करना।
- 3. खेल अवसंरचना का सशक्तीकरण – आधुनिक सुविधाओं, स्टेडियमों, प्रशिक्षण केंद्रों और विज्ञान-आधारित सहायता का विकास।
- 4. सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करना – महिलाओं, जनजातीय, वंचित, दिव्यांग और ग्रामीण समुदायों को समान अवसर देना।
- 5. खेलों को आर्थिक इंजन बनाना – खेल पर्यटन, स्टार्टअप्स, आयोजन और निवेश को बढ़ावा देना।
- 6. 2036 ओलंपिक की मेजबानी की तैयारियाँ — भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करना।

बजटीय आवंटन और आर्थिक पहलू

- वित्त वर्ष 2025-26 में ₹3,794 करोड़ का आवंटन किया गया — 2014-15 की तुलना में 130.9% की वृद्धि।
- ₹1,000 करोड़ केवल खेलो इंडिया कार्यक्रम के लिए।
- PPP, CSR और नवीन वित्तीय मॉडल के माध्यम से निजी क्षेत्र को जोड़ने की योजना।

प्रमुख योजनाएँ और संस्थान

1. खेलो इंडिया कार्यक्रम:

- 2016-17 में शुरू हुआ, 2021 में ₹3,790 करोड़ से विस्तारित।
- अब तक 326 अवसंरचना परियोजनाएँ, 1045 खेलो इंडिया केंद्र, और 2845 एथलीटों को सहायता।

2. खेलो इंडिया गेम्स:

- Youth Games, University Games, Para Games, Winter Games, Water Sports Festival.
- अब तक 50,000+ एथलीटों की भागीदारी।

3. कीर्ति (KIRTI) कार्यक्रम:

- 9-18 वर्ष के युवाओं को लक्षित।
- 174 Talent Assessment Centres।
- 2036 तक शीर्ष 10 और 2047 तक शीर्ष 5 खेल राष्ट्रों में भारत को लाने का लक्ष्य।

4. राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय (Imphal):

- खेल शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए समर्पित।
- ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों के साथ समझौते।
- विज्ञान, प्रबंधन, कोचिंग और उत्कृष्टता का केंद्र।

Result Mitra

सामाजिक समावेश और परिवर्तन

- महिलाओं और दिव्यांगों की समान भागीदारी को बढ़ावा दिया गया।
- सिद्दी समुदाय और अन्य वंचित वर्गों से एथलीटों को राष्ट्रीय मंच पर लाया गया।
- PIB के साथ इंटरव्यू में रोहित कुमार और सामंथा सिद्दी जैसे एथलीटों ने नीति की प्रशंसा की और इसे क्रांतिकारी परिवर्तन बताया।

प्रमुख उपलब्धियाँ

- 306 मान्यता प्राप्त अकादमियाँ
- 34 राज्य उत्कृष्टता केंद्र (KISCE)
- पहला Water Sports Festival श्रीनगर में (2025)
- खेलो इंडिया गेम्स में 27 खेल शामिल
- पैरा गेम्स में 1,300+ खिलाड़ियों ने भाग लिया

नीति की चुनौतियाँ

चुनौती	समाधान
ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधा की कमी	क्षेत्रीय केंद्रों का विस्तार
प्रशिक्षकों की सीमित संख्या	प्रशिक्षण व सर्टिफिकेशन कार्यक्रम
खेलों को अभी भी करियर के रूप में कम समझा जाता है	जनजागरूकता और एथलीट रोल मॉडल
निगरानी और पारदर्शिता	डेटा-आधारित निगरानी और तंत्र विकसित करना

निष्कर्ष :

- खेलो भारत नीति 2025, भारत को न केवल खेलों में उत्कृष्टता दिलाने की दिशा में एक मजबूत आधार देती है, बल्कि यह राष्ट्रीय चरित्र निर्माण, स्वास्थ्य संस्कृति और सामाजिक एकता को भी प्रोत्साहित करती है। यह नीति न केवल खिलाड़ियों के सपनों को पंख देती है, बल्कि देश को एक नई वैश्विक पहचान भी देती है।
- जैसे-जैसे भारत 2036 ओलंपिक की ओर अग्रसर है, यह नीति भारत को मेडल टैली में ऊपर ही नहीं, बल्कि मानव विकास सूचकांकों में भी ऊँचा उठाने का वादा करती है।